

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
रुद्रप्रयाग।

संख्या: 378 /18(1)/2006

राजस्व विभाग

देहरादून, दिनांक 05 जुलाई, 2006

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में जनपद रुद्रप्रयाग की तहसील ऊखीमठ के आवासीय भवनों के पुर्ननिर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1784/9-26(2005-2006) दिनांक 22 मार्च, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तहसील ऊखीमठ के आवासीय भवनों के पुर्ननिर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन रु0 98.23 लाख का टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाये गये रु0 90.27 लाख के आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये रु0 50.00 लाख (रु0 पचास लाख मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

..(2)

- 4- एक मुक्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण दिष्णी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
- 9- जी०पी०डब्ल्यू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 10- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कालेजों/मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एच०आई०सी० के मानकों के आधारे पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जाये।


.....(3)

11- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व पुराने भवनों को सक्षम स्तर से निष्प्रयोज्य घोषित कराकर उन्हें तोड़ने की अनुमति भी सक्षम स्तर से प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-6 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-आयोजनागत-051-निर्माण-03-तहसीलों के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण-24-कृद्द निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 388/XXVII(5)/2006 दिनांक 4 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सीहन लाल)

अपर सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
- 4- निजी सचिव, मुख्यमंत्री।
- 5- अपर सचिव, वित्त वजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 8- वित्त अनुभाग-5
- 9- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग, ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग।
- 10- वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सीहन लाल)

अपर सचिव।